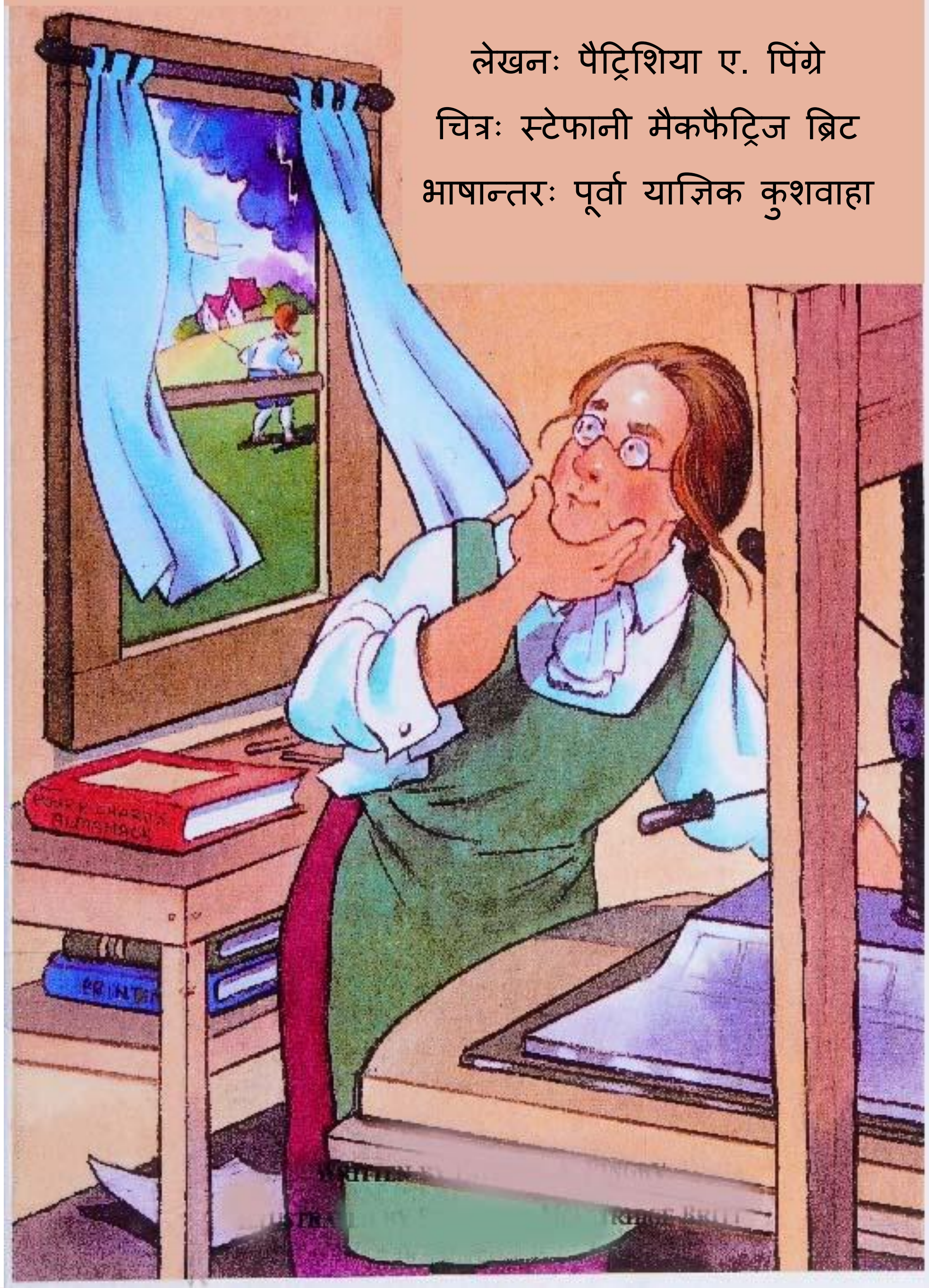
बैंजमिन फ्रैंकलिन

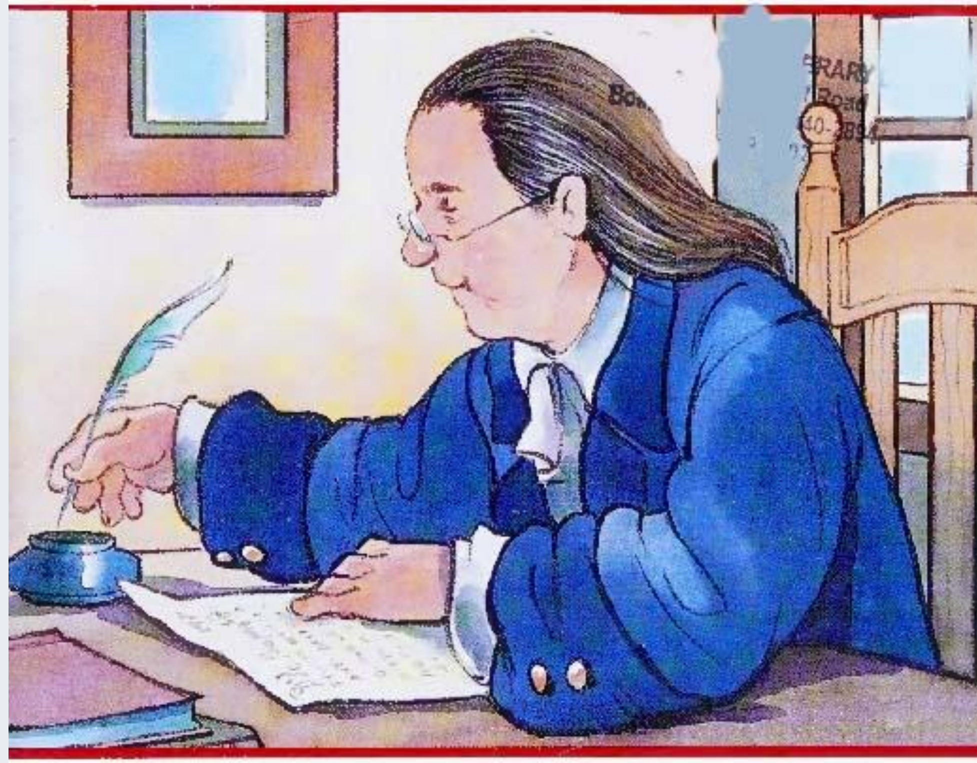
लेखनः पैट्रिशिया ए. पिंग्रे

चित्रः स्टेफानी मैकफैट्रिज ब्रिट

भाषान्तरः पूर्वा याज्ञिक कुशवाहा



बैंजमिन फ्रैंकलिन



लेखनः पैट्रिशिया ए. पिंग्रे

चित्रः स्टेफानी मैकफैट्रिज ब्रिट

भाषान्तरः पूर्वा याज्ञिक कुशवाहा

बैंजमिन फ्रैंकलिन का जन्म 17 जनवरी 1706

को बॉस्टोन, मैसाच्युसैटस् में हुआ था।

उनके नौ भाई और तेरह बहनें थीं।



बैन ने तब पढ़ना सीखा,

जब वह सिर्फ तीन साल का था।

बैन के घर में सिर्फ एक ही क़िताब थी।



सो, बैन ने बाइबल शुरू से अन्त तक पढ़ी

तब उसे फिर से पढ़ना शुरू किया।

बैन केवल दो वर्षों तक स्कूल गया।



तब उसे अपने पिता जोसाया की मोमबत्ती की दुकान में मदद करने के लिए स्कूल छोड़ना पड़ा।



बैन और उसका परिवार

मोमबत्ती की दुकान के ऊपर रहता था।

उस वक़्त मोमबत्ती ही

रोशनी का एकमात्र ज़रिया थी।

बैन बातियों को काटता

साँचों में उन्हें लगाता

तब पिघला हुआ मोम डालता।



वह अपने पिता के लिए

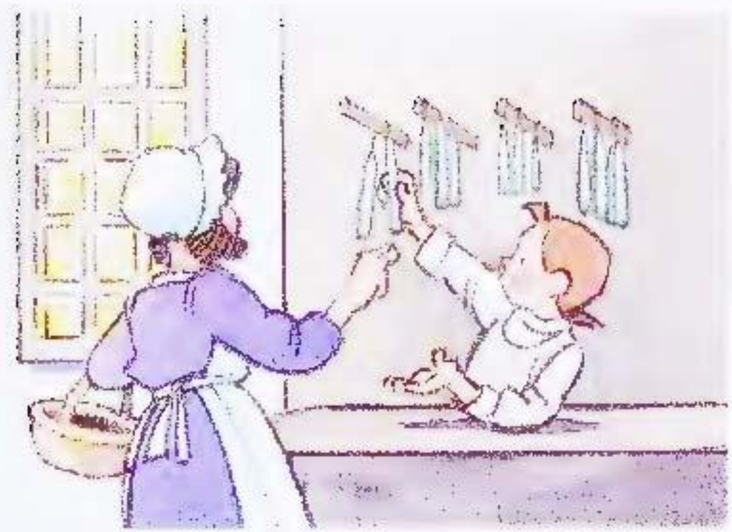
कई दूसरे काम भी करता।

वह मोमबत्तियाँ बेचता।

पर बैन का मन मोमबत्ती के दुकान

में नहीं लगता था।

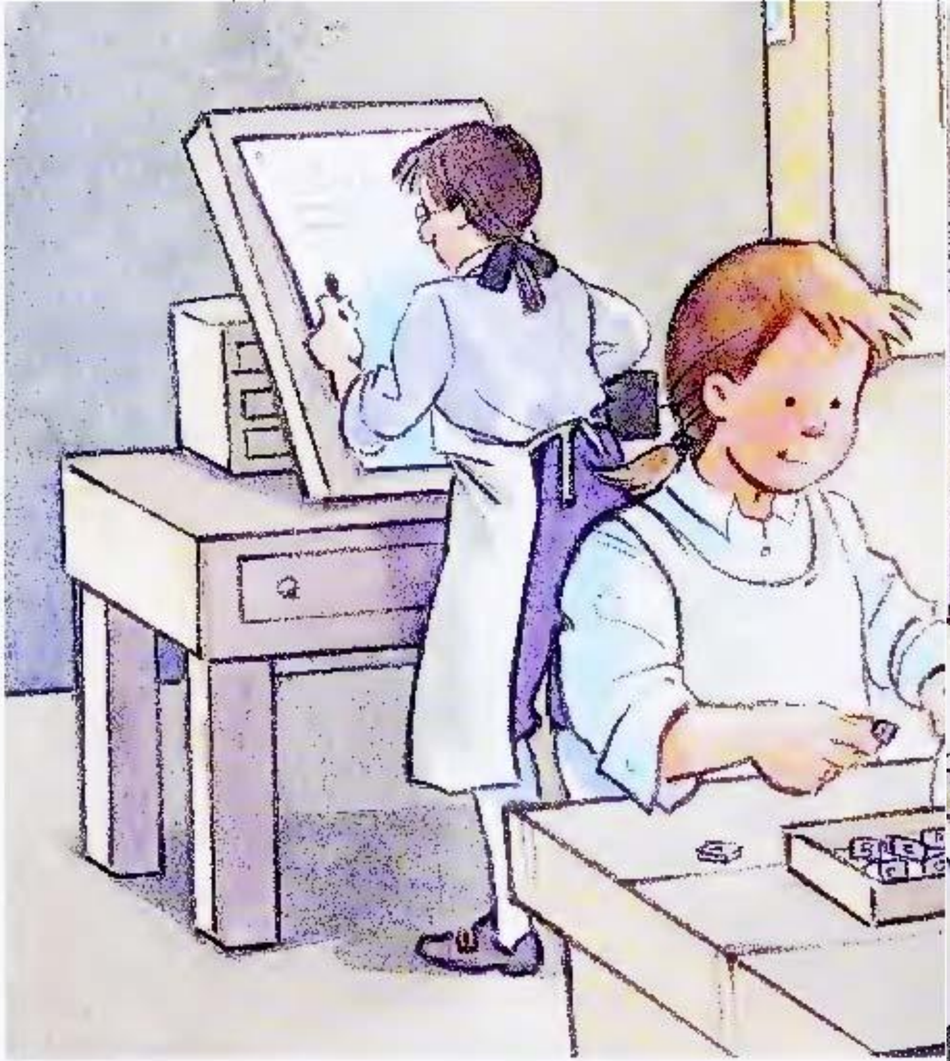
उसे समुद्र पसन्द था।

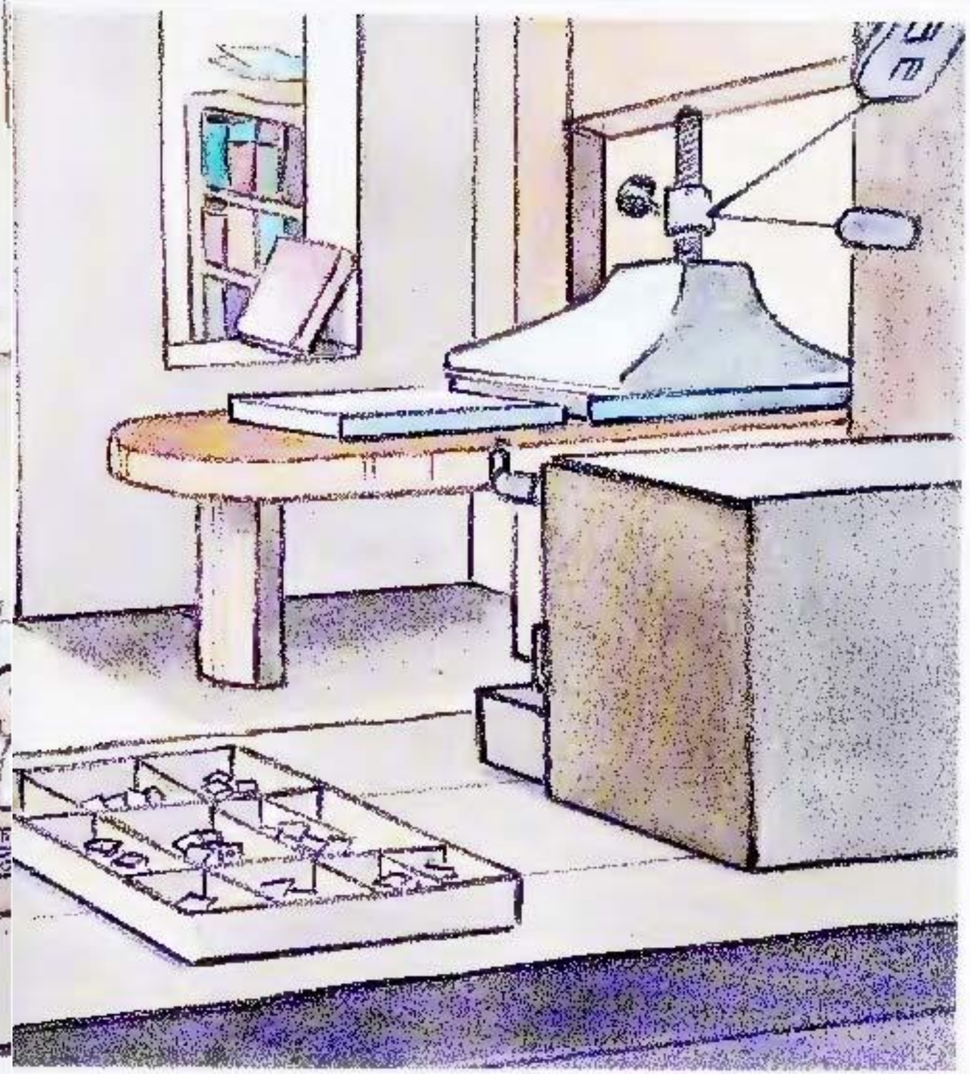


जोसाया को डर था कि

कहीं बैन भागकर

नाविक न बन जाए।





बैन के बड़ा भाई जेम्स

का एक छपाखाना था।

जेसाया ने उससे पूछा कि

क्या बैन उसके लिए काम कर सकता है।

बैन, जेम्स के अखबार के लिए

टाइप जमाने लगा। वह समाचार

पढ़ता। लेख के हिज्जे जाँचता।

बैन अपना काम बढ़िया तरीके से करता।



बैन लेख लिखने लगा।

उसने अपना छद्म नाम रखा

साइलैन्ट डूगुड। वह अपने लेख

छापाखाने के दरवाज़े के नीचे सरका देता।



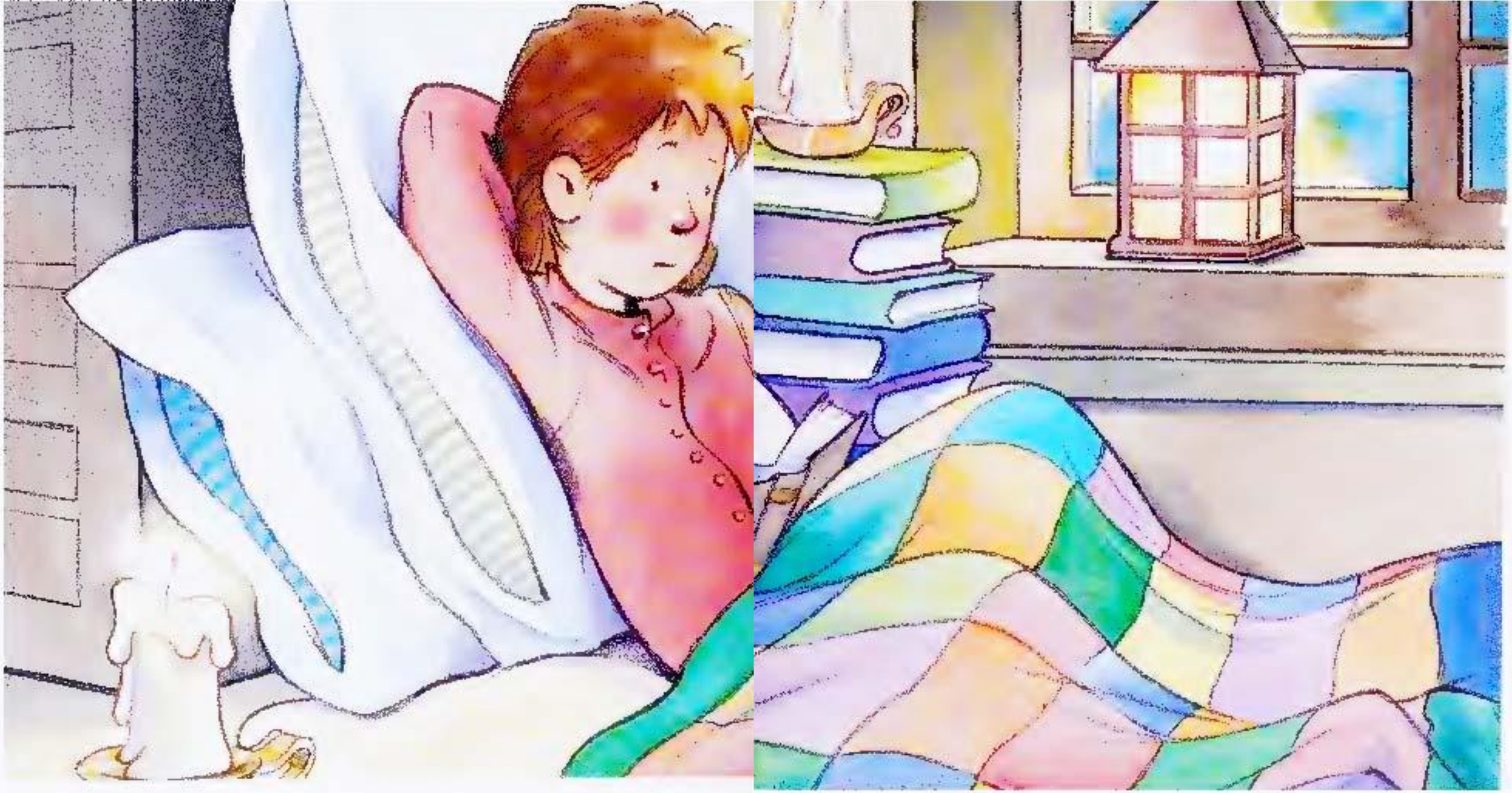
जेम्स को लगा कि

लेख अच्छे हैं।

वह उन्हें अपने अख़बार में छापने लगा।

उसे पता ही नहीं था

कि वे बैन की रचनाएं हैं।



बैन जेम्स के साथ ही रहता था।
एक दिन बैन ने जेम्स से कहा कि
वह अगर उस पर होने वाले खर्च का
आधा ही बैन को दे दे तो,
वह कुछ राशि बचा सकेगा।

अब बैन छापाखाने में ही
सोने लगा। वह जेम्स से मिले पैसों
से आधा ही खाने पीने के सामान पर खर्चता
और बाकी से क़िताबें खरीदता। वह अक्सर
पूरी रात जाग कर उन्हें पढ़ता।

बैन को पानी अब भी पसन्द था।

उसने खुद को तैरना सिखाया।

बॉस्टन के अधिकतर लोगों को

तैरना नहीं आता था।



सो बैन ने उन्हें

तैरना सिखाया।

बैन को विज्ञान से प्रेम था।

एक दिन बैन तालाब में

तैरने गया। वह अपनी पीठ

के बल पानी में तैर रहा था।



वह अपने हाथों में पतंग

की डोर पकड़े हुए था। पतंग उसे

तालाब में आगे की ओर खींचे ले जा रही थी।





जब बैन सतरह बरस का हुआ

वह छापाखाना छोड़ना चाहता था।

पर उसके पिता ने वादा किया था

कि वह नौ साल तक टिका रहेगा।

बैन भाग खड़ा हुआ।

बेन ने अपनी कुछ क़िताबें बेचीं

उस पैसे से न्यू यॉर्क के लिए

टिकट खरीदी। पर न्यू यॉर्क में

छपाई का कोई काम नहीं था।

से बैन फिलैडेल्फिया चला गया।



वहाँ नाव से उतरने के बाद
उसके पास सिर्फ एक डॉलर
और कुछ सेंट थे।
वह थका था, गंदा भी
और बेहद भूखा था।

बैन ने तीन पैनी से
तीन डबलरोटियाँ खरीदीं।



उसने एक डबलरोटी एक भूखी स्त्री
और उसके बच्चे को दी।

बैन ने जैसे-तैसे छपाई का काम तलाशा।

बाद में उसने खुद का छापाखाना ख़रीदा

और अपना अख़बार शुरू किया।



बैन चाहता था कि सभी लोगों

के पास क़िताबें हो।

सो उसने अमरीका का पहला

क़िताबघर खोला।

बैन ने एक ऐसा स्टोव

विकसित किया जो अलाव

से ज़्यादा गर्मी देता हो।



उसने बिजली की छड़ों

का आविष्कार किया

ताकि इमारतें बिजली गिरने से

जल न जाएं।



एक रात बैन

बरसात में पतंग उड़ा रहा था।

बैन ने पतंग के सिरे पर

एक चाभी बांध दी थी।

जब आसमान से कड़कती हुई

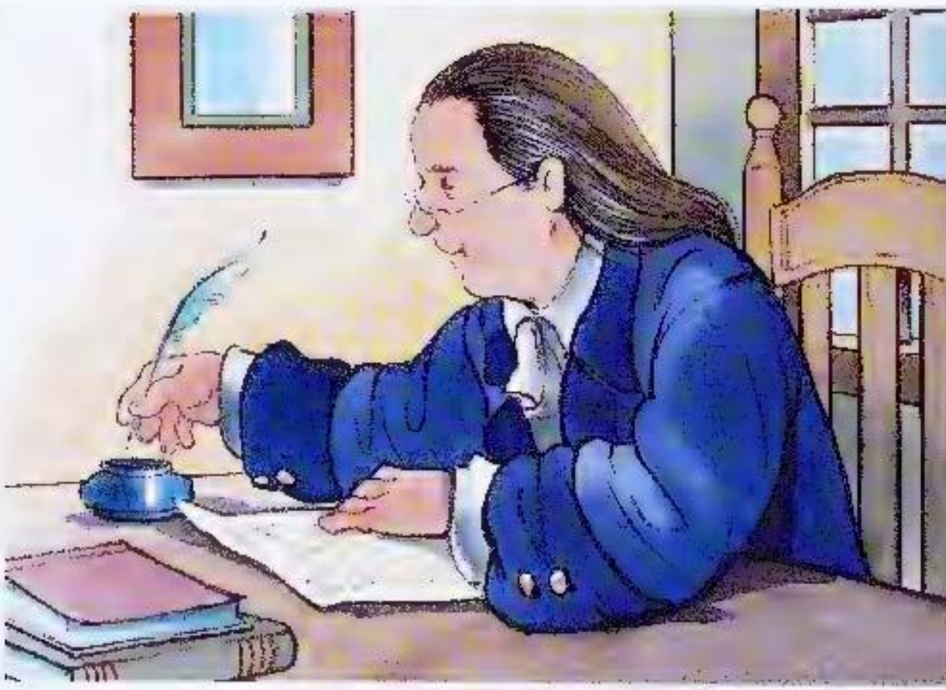
बिजली आकर चाभी पर गिरी, बैन सिद्ध

कर सके कि वह विद्युत है।

1775 में बैन ने

स्वतंत्रता का घोषणा पत्र लिखा।

उसका मतलब इंग्लैंड से सीधे युद्ध था।





बैन ने युद्ध की संभावना के बावजूद

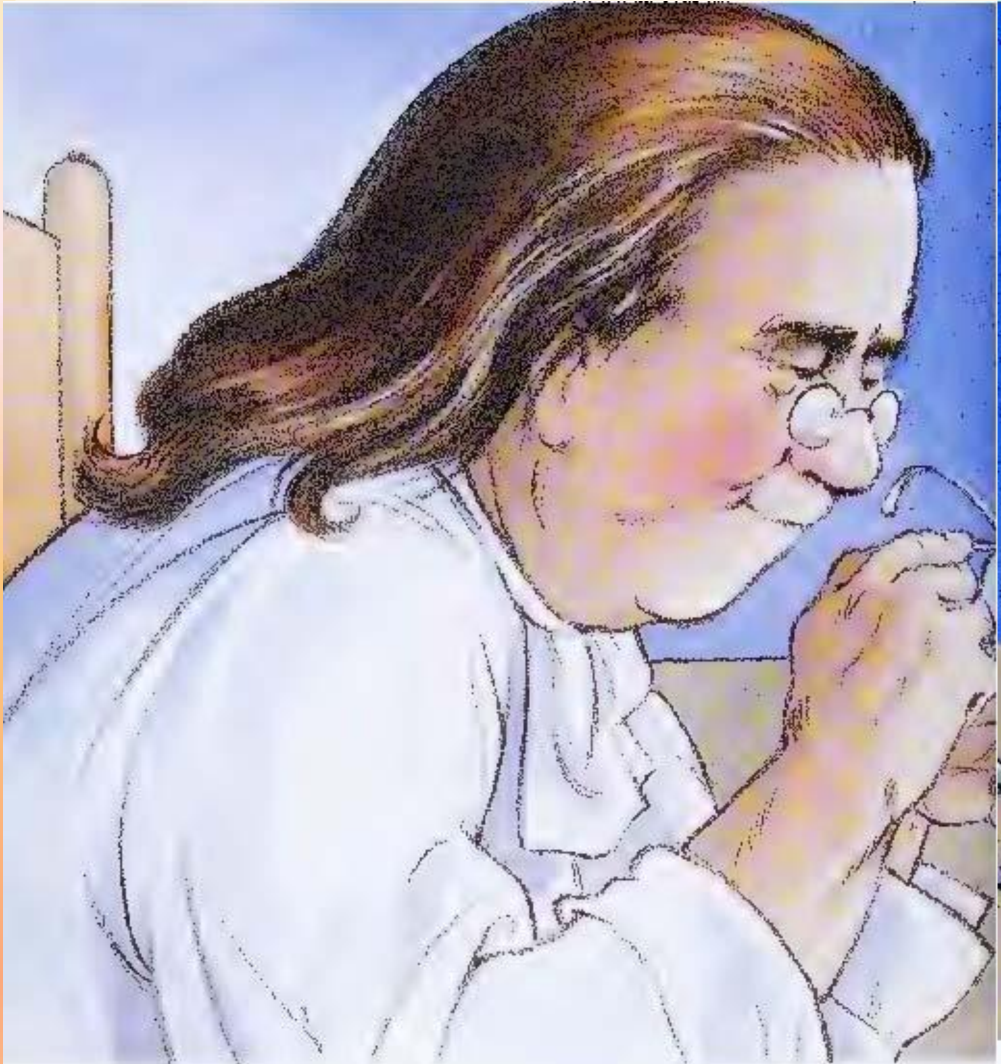
घोषणा-पत्र पर दस्तख़त किए।

इसलिए क्योंकि यही सही था।

जंग में मदद मांगने बैन फ्रांस गए।

फ्रांसीसियों को बैन पसन्द आए।

उन्होंने जंग में मदद के लिए अपनी नौसेना भेजी।





बैन आगे भी चीज़ें ईजाद करते रहे।

उन्हें चश्मा चाहिए था।

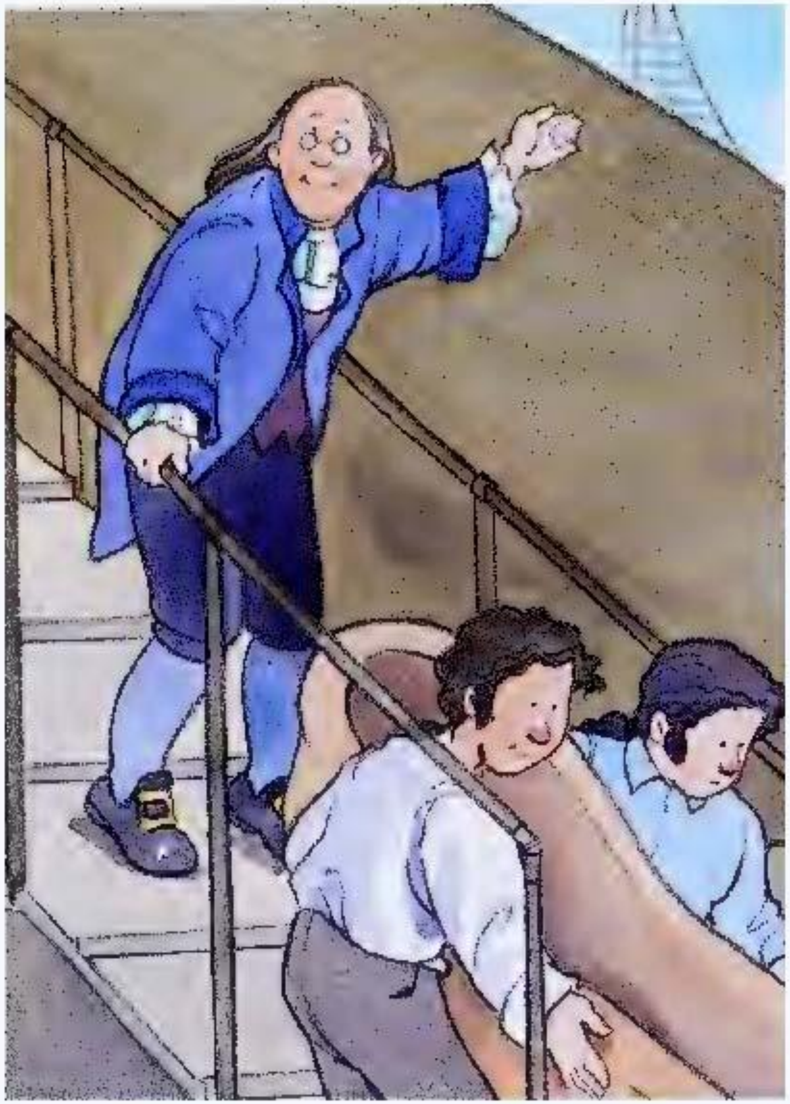
वे एक से पढ़ते थे, दूसरा उन्हें

दूर की चीजें देखने में मदद करता था।

सो बैन ने बाई-फोकल चश्मा ईजाद किया।

अब उन्हें एक ही चश्मे की ज़रूरत थी,

जो उन्हें पढ़ने भी दे, और दूर देखने भी दे।



1785 में बैन फ्रांस से वापस लौटे।

एक बैण्ड उनके स्वागत में बजा रहा था।

लोगों की भीड़ ने उनका ज़ोरदार स्वागत किया।

बैन अब उन्यासी बरस के हो चले थे।

उन्होंने अमरीका का संविधान

लिखने में मदद की।



बैन के सम्मान में

सौ डॉलर के नोटों पर

उनका चित्र छपा।

बैन छपाई करने वाले

और वैज्ञानिक थे।

उन्होंने आज़ादी पाने में

अमरीका की मदद की।



बैन को दूसरों की मदद करना

सबसे अच्छा लगता था।